

आज के कार्यक्रम

वार्षिक आमसभा

भिलाई। देव संस्कार साख सहकारी समिति मर्यादित सेक्टर-5 भिलाईनगर की 15 वीं वार्षिक आमसभा का आयोजन 27 सितंबर को मकान नं. 1/बी, सड़क-32, सेक्टर-5 संस्था कार्यालय में सुबह 11 बजे से आयोजित है। आमसभा में संस्था के वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का विवरण, वित्तीय पत्रक की जानकारी प्रस्तुत की जाएगी।

समिति की वार्षिक आमसभा

भिलाई। भिलाई कर्मचारी आदर्श साख सहकारी समिति मर्यादित सेक्टर-2 का वार्षिक आमसभा 27 सितंबर रविवार को परशुराम भवन में सुबह 9 बजे से आयोजित है। सभी सदस्यों से संस्था की पासबुक और बीएसपी गेटपास के साथ उपस्थिति की अपील की गई है।

साधारण सभा आज

भिलाई। प्रगति महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित भिलाई-दुर्ग की वार्षिक सर्वसाधारण सभा रविवार 27 सितंबर को महाराष्ट्र मण्डल सड़क-3, सेक्टर-4 भिलाई के सभागृह में प्रातः 11 बजे आयोजित की गई है। इसमें वित्तीय वर्ष 2025-2026 के आय-व्यय, वित्तीय पत्रक, प्रस्तावित लाभ और लाभभांश वितरण तथा वर्ष 2026-2027 के प्रस्तावित बजट के अनुमोदन पर चर्चा होगी। बैंक की अध्यक्षता अश्विनी नालले ने अंशदारी सदस्यों से सर्व साधारण सभा में उपस्थित होने की अपील की है।

दीपक नगर स्कूल में सेवा सेतु अभियान शिविर कल

दुर्ग। सेवा सेतु शिविर स्थान, स्वामी आत्मानंद विद्यालय, दीपक नगर में 28 सितंबर को शिविर आयोजित होगा। वाई क्रमांक 23 दीपक नगर,वाई क्रमांक 28 पंचरी पारा,वाई क्रमांक 29 अस्पताल वाई,वाई क्रमांक 47 सिविल लाइन उत्तर के वाईवासी शामिल हो सकते हैं।



प्रगति महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित भिलाई-दुर्ग

मुख्य शाखा :- राँप नं. 11, 'ए' मार्केट, सेक्टर-2 भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.)
दुर्ग शाखा :- आई.एम.ए. चौक, रानी लक्ष्मीबाई शाखा परिसर, मोहन नगर दुर्ग (छ.ग.)
फोन नं. :- मुख्य शाखा- 2223842, फैक्स नं.- 2226242, दुर्ग शाखा - 401243, 2333080

वार्षिक सर्व साधारण सभा की सूचना

बैंक की समस्त सम्मानीय अंशधारकों को सूचित किया जाता है कि बैंक की वार्षिक सर्वसाधारण सभा का आयोजन रविवार दिनांक 27.09.2026 को प्रातः 11.00 बजे "महाराष्ट्र मण्डल" सड़क 3, सेक्टर 4, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) के सभागृह में किया गया है। इसकी सूचना समस्त सदस्यों को डाक द्वारा बैंक में उत्तलवृद्ध पत्र पर भेजी जा चुकी है। जिन सदस्यों को डाक द्वारा सूचना न मिली हो, इसी ही सूचना मानते हुये सभा में उपस्थित होने का निवेदन है।

प्रतुल पी. भेलोंडे
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

संस्था का आयोजन 27 सितंबर को मकान नं. 1/बी, सड़क-32, सेक्टर-5 संस्था कार्यालय में सुबह 11 बजे से आयोजित है। आमसभा में संस्था के वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का विवरण, वित्तीय पत्रक की जानकारी प्रस्तुत की जाएगी।

पुराने आंकड़ों के आधार पर एएनसी लक्ष्य तय करने पर भी पुनर्विचार की मांग

स्वास्थ्य कार्यक्रमों में संसाधनों की कमी, खराब टैबलेट व जांच उपकरणों से प्रभावित हो रहा काम

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों के सामने अब संसाधनों और तकनीकी सुविधाओं की कमी बड़ी चुनौती बनती जा रही है। कई स्वास्थ्य केंद्रों में वर्षों पहले उपलब्ध कराए गए टैबलेट खराब हो चुके हैं। वहीं बीपी जांच मशीन, ग्लूकोमीटर और ग्लूकोज स्ट्रिप की उपलब्धता को लेकर भी मैदानी स्तर पर दिक्कतें सामने आ रही हैं। इसका असर मरीजों की स्क्रीनिंग, ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट करने और फॉलोअप जैसी जरूरी गतिविधियों पर पड़ रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदेशभर में गैर संचारी रोग एनसीडी, टीबी मुक्त भारत अभियान, कुछ उन्मूलन के लिए एलसीडीसी, आरसीएच 2.0 सहित कई राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में स्वास्थ्य कर्मचारियों को घर-घर जाकर हितग्राहियों की स्क्रीनिंग करने के साथ ऑनलाइन पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने, रोगियों का सत्यापन, फॉलोअप और उपचार संबंधी जानकारी अपडेट करने की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। एनसीडी कार्यक्रम की शुरुआत में विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए टैबलेट अब लंबे समय के इस्तेमाल के बाद खराब होने लगे हैं। कहीं स्क्रीन काम नहीं कर रही है तो कहीं चार्जिंग सिस्टम या बैटरी बैकअप की समस्या है। ऐसे में फील्ड में हितग्राहियों की स्क्रीनिंग और फोटो अपलोड जैसी ऑनलाइन प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। इसी तरह गैर संचारी रोगों की जांच में इस्तेमाल होने वाले बीपी उपकरण और ग्लूकोमीटर की स्थिति भी कई स्थानों पर संतोषजनक नहीं होने की बात सामने आई है। ग्लूकोज स्ट्रिप की नियमित उपलब्धता नहीं होने से स्वास्थ्य कर्मचारियों को मौके पर जांच करने में परेशानी हो रही है। इसका सीधा असर उन गतिविधियों पर पड़ता है, जिनमें समय पर जांच और मरीज की जानकारी दर्ज करना जरूरी है।

बीपी मशीन, ग्लूकोमीटर, ग्लूकोज स्ट्रिप की उपलब्धता में दिक्कत



एएनसी लक्ष्य को लेकर भी सवाल

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने एएनसी यानी गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण के लिए निर्धारित लक्ष्य को लेकर भी मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा की जरूरत बताई है। उनका कहना है कि कई क्षेत्रों में जन्मदर और परिवार नियोजन के आंकड़ों में बदलाव आया है, लेकिन लक्ष्य निर्धारण अभी भी पुराने सूचकांकों के आधार पर किया जा रहा है। परिवार नियोजन के साधनों और नर्सबंदी सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ कई क्षेत्रों में गर्भाधारण की दर में कमी आई है। इसके बावजूद पुराने मानकों के आधार पर लक्ष्य तय होने से मैदानी स्तर पर वास्तविक स्थिति और निर्धारित लक्ष्य के बीच अंतर बढ़ रहा है।

मैदानी कर्मचारियों के साथ समीक्षा की मांग

इन समस्याओं को देखते हुए स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने स्वास्थ्य विभाग से प्रदेश स्तर पर बैठक बुलाकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जमीनी स्थिति की समीक्षा करने की मांग की है। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संरक्षक ओपी शर्मा, प्रांताध्यक्ष अनिल पांडेय और प्रदेश महामंत्री सैय्यद अख्तियार ने मांग की है कि खराब उपकरणों को बदलने के साथ आवश्यक टैबलेट, बीपी मशीन, ग्लूकोमीटर और ग्लूकोज स्ट्रिप जैसी मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही एएनसी सहित अन्य कार्यक्रमों के लक्ष्यों का निर्धारण मौजूदा स्वास्थ्य आंकड़ों और क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर किया जाए। इससे न केवल कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं समय पर पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।



डॉ. साक्षी बनीं शनि मंदिर समिति की अध्यक्ष



भिलाई। वार्ड 2 स्मृतिनगर ईएसआईसी अस्पताल के सामने स्थित प्रचीन शनिदेव मंदिर में शनिवार को बैठक की गई। इसमें डॉ. साक्षी श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बैठक में समिति के कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने चर्चा के बाद मंदिर के विकास के लिए पूर्व अध्यक्ष द्वारा किए गए विकास कार्यों की सराहना की गई। पूर्व अध्यक्ष उत्कर्ष भट्ट ने कहा कि मंदिर के विकास के लिए समिति के सदस्यों व पदाधिकारियों ने कई वर्षों तक लगातार कई कार्य

किए। नए अध्यक्ष के नियुक्ति के लिए उन्होंने डॉ. साक्षी श्रीवास्तव के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। उल्लेखनीय है कि डॉ. साक्षी श्रीवास्तव विगत चार-पांच सालों से सेवा भाव से जुड़ी हुई है। वे प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में पिछले 16 वर्षों से सेवाएं दे रही है। बैठक में पूर्व अध्यक्ष उत्कर्ष भट्ट, गिरिश श्रीवास्तव, कमला बिस्ट, गौरव श्रीवास्तव, मुस्कान यादव, शालिनी साहू, भावना सागरवंशी, प्रमोद बिष्ट, कीर्ति श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। बैठक में समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

10 वार्डों की समस्याओं के लिए शिविर में लिए आवेदन

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा सेवा सेतु शिविर समस्या का समाधान आपके द्वार का आयोजन 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक नगर निगम क्षेत्र में किया जा रहा है। इसी क्रम कुशाभाउ ठाकरे भवन,आदित्य नगर एवं सिकोला भाठा माध्यमिक शाला,सिकोला बस्ती में आयोजित सेवा सेतु शिविरों में संबंधित 10 वार्डों के नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं से संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा प्राप्त कर पात्र प्रकरणों पर नियमानुसार त्वरित



कराई गई। शिविर के तीसरे दिन नागरिकों द्वारा विभिन्न सेवाओं एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। अन्य आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा प्राप्त कर पात्र प्रकरणों पर नियमानुसार त्वरित

कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शिविर के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याओं के लिए संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय एक ही स्थान पर आवेदन एवं समाधान की सुविधा मिल रही है। महापौर अलका बाघमार ने कुशाभाउ ठाकरे भवन आदित्य नगर एवं सिकोला भाठा स्कूल कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला सिकोला बस्ती में आयोजित सेवा सेतु शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर नागरिकों से प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं की जानकारी ली इस दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, पार्षद सुरुक्ष उमरे, सावित्री दमाह,नौरा खिचरिया, ललिता ठाकुर, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उपअभियंता स्वेता महलवार, उप अभियंता भारती ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे। इस दौरान गोदभरा और बच्चों का अन्नप्रासन भी कराया। 28 सितंबर को स्वामी आत्मानंद विद्यालय, दीपक नगर एवं सरदार वल्लभभाई पटेल आत्मानंद विद्यालय में सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में संबंधित वार्डों के नागरिकों को विभिन्न समस्याओं एवं आवेदनों को प्राप्त कर उनके निराकरण की कार्रवाई की जाएगी।

“Health is Wealth” सेहत की सही देखभाल में अस्पताल से लेकर ब्लड टेस्ट तक की अहम भूमिका

बीमारी का इलाज ही नहीं, समय पर जांच, सही विशेषज्ञ की सलाह और नियमित स्वास्थ्य जांच भी स्वस्थ जीवन की कुंजी

रजि. 15554 8602961956

शर्मा दवाखाना

नाड़ी निदान विशेषज्ञ

डॉ. बी. डी. अग्निहोत्री

आयुर्वेद फिजिशियन (A.V.M.S M/M.S)

समय - सुबह 10:00 से 1:00 शाम 5:00 से 8:30 बजे तक

रविवार-शाम बंद

नोट :- नाड़ी परीक्षण हेतु खाली पेट या भोजन के 5 घंटा के बाद

आयुर्वेद में क्या-क्या इलाज होते हैं

सर्दी-खांसी-जुकाम	मधुमेह (डायबिटीज)	खाली की समस्या
बुखार व वायरल	उच्च रक्तचाप	पुरुष शक्ति व कमजोरी
पाचन संबंधी रोग	घुटनों का दर्द / गठिया	महिला रोग (पीसीडी, अंडाशय कैंसर, मीन)
कब्ज, गैर, अपच	कमर दर्द / सर्वांगकल	लौबर की समस्या
मोटापा व कम कम करना	त्वच रोग (एक, कुल्हा, एलर्जिक)	मानसिक तनाव व नींद न आना

पता - आंबेडकर चौक, कोहका रोड, राम नगर पो.- सुपेला, भिलाई



स्वस्थ रहने के लिए केवल बीमारी होने पर डॉक्टर के पास जाना ही पर्याप्त नहीं है। बदलती जीवनशैली, खान-पान की आदतों, तनाव, कम शारीरिक गतिविधि और बढ़ती उम्र के साथ शरीर में कई तरह के बदलाव होते रहते हैं। कई बीमारियां शुरुआती दौर में बिना स्पष्ट लक्षण के भी मौजूद हो सकती हैं। ऐसे में समय पर चिकित्सकीय परामर्श, जरूरत के अनुसार ब्लड टेस्ट, स्वास्थ्य जांच और सही उपचार बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। अस्पताल, क्लीनिक, दवाखाने, डायग्नोस्टिक सेंटर और पैथोलॉजी सेवाएं स्वास्थ्य व्यवस्था की इसी पूरी प्रक्रिया का हिस्सा हैं। लेकिन इन सुविधाओं का उपयोग कब, कैसे और किन सावधानियों के साथ किया जाए, इसकी जानकारी होना भी उतना ही जरूरी है।

हर स्वास्थ्य समस्या के लिए अस्पताल जाना जरूरी नहीं होता। सामान्य स्वास्थ्य समस्या, शुरुआती लक्षण या नियमित परामर्श के लिए क्लीनिक में डॉक्टर से संपर्क किया जा सकता है। वहीं गंभीर या आपात स्थिति में अस्पताल की आवश्यकता पड़ सकती है। क्लीनिक में सामान्यतः बुखार, खांसी-जुकाम, पेट संबंधी समस्या, त्वचा की परेशानी, सामान्य कमजोरी, नियमित स्वास्थ्य परामर्श जैसी समस्याओं के लिए चिकित्सकीय सलाह ली जा सकती है। अस्पताल की आवश्यकता गंभीर बीमारी, दुर्घटना, सांस लेने में परेशानी, अत्यधिक रक्तस्राव, गंभीर चोट, अचानक बेहोशी, तेज सीने का दर्द या ऐसी स्थिति में पड़ सकती है जिसमें तत्काल चिकित्सकीय निगरानी अथवा भर्ती की जरूरत हो। दवाखाना या फार्मसी डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाएं प्राप्त करने का माध्यम है। सामान्य दवाओं के मामले में भी लेबल, खुराक और उपयोग संबंधी निर्देशों को समझना जरूरी है। शरीर कई बार बीमारी के संकेत पहले ही देने लगता है। लगातार थकान, वजन में अचानक बदलाव, भूख में असामान्य कमी या बढ़ोतरी, बार-बार बुखार, लगातार दर्द, चक्कर, सांस फूलना, नींद में बदलाव, अत्यधिक प्यास या बार-बार पेशाब जैसी समस्याएं लंबे समय तक बनी रहें तो चिकित्सकीय सलाह लेना उचित है।

हेल्थ केयर फिजियोथेरेपी

एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर

डॉ. कंडला खडू (बी.टी.)
(बी.पी.टी., पी.आर.टी.)
Reg. No. C.G.P.T.- 654

डॉ. शिवेंद्र कर्मा (बी.टी.)
(बी.पी.टी.)

- कमर दर्द
- घुटना दर्द
- कंधे की दर्द व जाम हो जाना
- लकवा
- कोहनी दर्द
- गर्दन दर्द
- मांसपेशी की कमजोरी
- जोड़ों की दर्द व सूजन
- सियाटिका
- वात (आर्थराइटिस)
- चहरे का लकवा
- बच्चों में होने वाली जन्मजात विकृति
- फ्रैक्चर के बाद होने वाली अकड़न

संपर्क
87700-54084
82239-02433

सुबह - 9:00 से 12:00
सायं - 4:00 से 8:00

SATYADEEP

DIAGNOSTICS & CLINIC

पता:- शां पं.1, लक्ष्मी मार्केट रोड, सुपेला, भिलाई 9179389854

सोनोग्राफी, एक्स-रे, पैथोलॉजी, इ.सी.जी.

सोनोग्राफी, पैथोलॉजी, ई.सी.जी., ओ.पी.डी., डिजिटल एक्स-रे, उडी-4डी सोनोग्राफी, खून-पेशाब जांच केन्द्र, कम्प्यूटराईज्ड पैथोलॉजी लेब

बी.पी.एल./स्मार्ट कार्ड, आयुष्मान कार्डधारी कैसर के मरीजों एवं वरिष्ठ नागरिकों को हर जाँच पर **40% की भारी छूट**

समय : प्रतिदिन सुबह 9:00 से रात 9:00 बजे तक

महिलाओं की सोनोग्राफी महिला डाक्टर के द्वारा की जाती है

सत्यदीप डायग्नोस्टिक एवं क्लीनिक
शां पं.1, लक्ष्मी मार्केट रोड, सुपेला, भिलाई

डॉ. सोरभ साव
मेडिकल डायरेक्टर एवं सैकलटेंट

24x7 Emergency Services

DR. KHARE

INTEGRATED CLINIC

Regd. No. 01213 C.G.Ayu

Dr. A.K. KHARE

B.Sc., B.A.M.S. (R.S.U.)

Gen. Physician

Timing :-

Morning : 9.30 am to 1.30 pm

Evening : 5.30 PM to 9.30 PM

Sunday Evening Closed

Mob. : 9329448186

SHOP NO. 38, SUBHASH MARKET

ZONE-3, KHURSIPAR, BHILAI

आस्था डायग्नोस्टिक्स

बाजार रोड, साई कालोनी, आई.डी.एफ.सी. बैंक के सामने, उर्दई

Call : 0788-2992523

संबंधित संस्थान :-

आस्था हॉस्पिटल

मो.- 9981376072, 8103737401, 8251089997

24 घंटे मर्ती एवं सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध

नोट : असुविधा से बचने के लिए पूर्व पंजीयन कराएं

Call : 0788-2673872

सोनोग्राफी

- सामान्य सोनोग्राफी
- पेरिटोनियल सोनोग्राफी
- कमर डॉक्टर

डिजिटल एक्स-रे

- छाती (Chest)
- हड्डी (Bone)
- अन्य एक्स-रे

खून जांच

- रानी अमर की जांच
- अमर/रक्त, दूर, निरुद्ध अमर
- हार्मोन व अन्य जांच

24x7 Emergency Services

खारून के उफान से जमराव गांव जलमठन

हरिभूमि न्यूज ►►पाटन

मूसलाधार बारिश और खारून नदी में आई भीषण बाढ़ के कारण ग्राम पंचायत जमराव में गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। नदी के बढ़ते जलस्तर से गांव के लगभग 40 घर पूरी तरह प्रभावित हो चुके हैं और पानी घरों के भीतर तक प्रवेश कर गया है। प्रशासनिक अमले और ग्राम पंचायत द्वारा बाढ़ की स्थिति पर लगातार पैनी नजर रखी जा रही है।

बाढ़ के अचानक बढ़ने से एक व्यक्ति पानी के तेज बहाव में फंस गया था। गांव के साहसी मछुआरों के सहयोग से भारी मशक्कत के बाद उस व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के ठहरने और सुरक्षा के लिए ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत भवन,



40 घरों में घुसा पानी

शासकीय मिडिल स्कूल, शासकीय प्राथमिक स्कूल, निषाद समाज सामुदायिक भवन तथा साहू समाज सामुदायिक भवन को अस्थायी राहत शिविर के रूप में चिह्नित किया गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित परिवारों को तुरंत वहां शिफ्ट किया जा सके। वहीं, बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए ग्राम पंचायत जमराव द्वारा

भोजन, राशन और सब्जियों की पूरी व्यवस्था की गई है। पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय जिम्मेदार लोग प्रभावित इलाकों में लगातार गश्त कर आवश्यक सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। सरपंच जागेश्वरी भेष कुमार सोनकर ने बताया कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए ग्राम पंचायत पूरी तरह सतर्क और अलर्ट मोड पर है। प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

अतिवृष्टि से जनजीवन अस्त-व्यस्त पक्के मकानों में भी टपका पानी, खेतों में धान की फसलें बिछीं

हरिभूमि न्यूज ►►जामगांव आर

गुरुवार और शुक्रवार को क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि ने सामान्य जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। लगातार बारिश का असर यह रहा कि पक्के और आलीशान मकानों की छतों से भी पानी टपकने लगा, वहीं कई स्थानों पर विशालकाय वृक्ष धराशायी हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य शासन ने स्कूलों में अवकाश की घोषणा कर दी थी। शनिवार को भी स्कूलों में छुट्टी रही, लेकिन बादलों की



आवाजाही के बीच बारिश थम गई और लोगों को सुर्यदेव के दर्शन हुए। जामगांव आर के साप्ताहिक बाजार

के दिन बारिश न होने से ग्रामीणों और व्यापारियों ने राहत की सांस ली और शांतिपूर्वक खरीदारी की।

मौसम साफ होने के कारण दो दिनों से अटका गणेश विसर्जन का कार्यक्रम भीशनिवार को बड़े ही

■ शनिवार को धूप खिलने से विसर्जन की लौटी रौनक, साप्ताहिक बाजार में भी पहुंची भीड़

उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। हालांकि, दो दिनों की भारी बारिश के कारण खेतों में खड़ी धान की फसलें जमीन पर बिछ गई हैं, जिसे देखकर किसान अत्यंत उदास और चिंतित हैं।

राहत शिविर में ठहराया गया, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों से की मुलाकात

भरदा व आसपास के गांवों में बाढ़ से घिरे 210 मजदूरों का सफल रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ►►अंडा

पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के कारण दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भरदा, आलबरस, चंगोरी, खाड़ा, रूदा, तिरगा, झोला और भोथली गांवों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भर गया। इसके चलते क्षेत्र के एन.के., एच.बी. एवं आर.के.एम. के ईंट-भट्टों तथा कृषि बाड़ियों में काम करने वाले करीब 210 मजदूर (जिनमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हैं) पानी से घिरकर फंस गए थे।

मजदूरों के फंसे होने की जानकारी मिलते ही ग्राम पंचायत भरदा की सरपंच सुनीता जयप्रकाश भारदीय, सभापति लोमश चंद्राकर, पूर्व सभापति टिकेश्वरी लाल देशमुख तथा आलबरस सरपंच भुवन लाल



देशमुख तड़के ही राहत व बचाव कार्य में जुट गए।

कड़ी मशक्कत के बाद सभी 210 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालकर ग्राम भरदा के प्राथमिक शाला एवं सामुदायिक

भवन में स्थापित अस्थायी राहत शिविरों में पहुंचाया गया। सरपंच और पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा सभी पीड़ितों के लिए पका हुआ भोजन एवं सुखा राशन उपलब्ध कराया गया।

मंत्री और प्रशासनिक अमला पहुंचा

घटना की जानकारी मिलते ही प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव तत्काल ग्राम भरदा पहुंचे और राहत शिविर में ठहरे मजदूरों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पीड़ितों के लिए हर संभव आवश्यक सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, दुर्गों कलेक्टर अमिजीत सिंह, एसपी विजय अग्रवाल, एसडीएम, तहसीलदार सहित पुरा प्रशासनिक अमला मौके पर उपस्थित रहा। साथ ही ईंट-भट्टा संचालक गोपाल चकधारी, रोशन देशमुख, हरिश्चंकर चकधारी, पूर्व सरपंच जयप्रकाश भारदीय, टिकेश्वरी देशमुख, लोमश चंद्राकर, पंच चंद्रिका देशमुख सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण राहत कार्यों में सहयोग प्रदान करते रहे।

पहुंचकर पीड़ितों से की मुलाकात

बाढ़ के बीच 'देवदूत' बनी प्रशासनिक टीम



पाटन। मूसलाधार बारिश, बाढ़ और चारों ओर फैले जलभराव के बीच प्रशासन का मानवीय और संवेदनशील चेहरा सामने आया है। आपदा की इस घड़ी में एसडीएम उत्तम ध्रुव स्वयं बाढ़ प्रभावित जमीनी इलाकों में उतरे और मुश्किल हालात में फंसी एक मासूम बच्ची को अपनी गोद में उठाकर सुरक्षित बाहर निकाला।

बाढ़ के बढ़ते पानी के बीच फंसी मासूम बच्ची को देखकर एसडीएम उत्तम ध्रुव ने बिना समय गंवाए खुद पानी में उतरकर रेस्क्यू किया। इस दौरान बच्ची के प्रति उनका ममत्व और संवेदनशीलता साफ झलक रही थी। एसडीएम ने बच्ची को बड़े दुलार से अपनी गोद में लिया और सुरक्षित राहत स्थल तक पहुंचाया।

15 परिवारों को सुरक्षित रेस्क्यू किया

एसडीएम उत्तम ध्रुव के साथ तहसीलदार मनोज गुप्ता, अतिरिक्त तहसीलदार मनोज रस्तोगी एवं अमलेश्वर थापा प्रभारी मोहनमद तारिक खान भी राहत अभियान में गुरुदेवी से डटे रहे। इन अधिकारियों ने ईंट-भट्टों और निचले क्षेत्रों में जाकर फंसे हुए करीब 15 परिवारों और अन्य श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने की कार्यवाही संपन्न कराई।

खबर संक्षेप

मिट्टी के गणेश बनाकर टब में किया विसर्जन



अमलेश्वर। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमलेश्वर निवासी करन साहू के पुत्रों-आदित्य और अश्विन साहू ने अपने निवास स्थान पर मिट्टी से निर्मित भगवान गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर अनुकरणीय पहल की है। माता सविता साहू एवं पिता करन साहू के साथ बच्चों ने 11 दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

निधन



निधन शनिवार की शाम 6 बजे हो गया। उनका अंतिम संस्कार रविवार 27 सितंबर को सुबह 11बजे गृह ग्राम मोरिह में किया जाएगा। वे शैलेंद्र, उत्तम और स्व. कृष्णा निर्मल के पिता एवं धनेश्वर निर्मल के ससुर थे।

मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन

खेल स्पर्धाओं के संग पोषण और स्वास्थ्य पर विमर्श



सेलूद। एकिकृत महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत पिसेगांव आंगनबाड़ी केंद्र में सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि दिलीप साहू, अध्यक्षता कर रहीं हेमलता देशमुख, सरपंच द्रौपदी देशमुख, द्वितीय-देवी निषाद, फुगड़ी प्रतियोगिता प्रथम-देवी निषाद, द्वितीय- सुकृता ठाकुर, रंगोली प्रतियोगिता प्रथम-मेनका निषाद, द्वितीय-

देविंका,व्यंजन सजाओ प्रथम - पूर्णिमा यादव, द्वितीय- उमा देशमुख, पौष्टिक थाली सजाओ प्रथम - रामेश्वरी बेलचंदन, द्वितीय-आरती बांधे, तृतीय- राजलक्ष्मी बांधे, मटका फोड़ प्रथम - टेपेश्वरी देशमुख, द्वितीय-विमला डहरे, मेहंदी स्पर्धा प्रथम - हर्षिता, द्वितीय - निकिता बांधे रहे। सभी विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दिलीप साहू एवं हेमलता देशमुख ने केंद्र सरकार की सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण की 2.0 तथा पोषण अभियान के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। सेक्टर पर्यवेक्षक ममता साहू ने महिलाओं को स्वास्थ्य रक्षा संबंधी परामर्श दिए।

सब-स्टेशन निकुम में दो महीने से ब्रेकर खराब लगातार पावर कट और हाई वोल्टेज से उपभोक्ता हलाकान

हरिभूमि न्यूज ►►निकुम

विद्युत वितरण केंद्र सब-स्टेशन निकुम में पिछले दो महीनों से मुख्य ब्रेकर सिस्टम खराब पड़ा हुआ है, लेकिन बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। खराब ब्रेकर के कारण आए दिन बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है, जिससे ग्रामीण उपभोक्ता भीषण गर्मी

■ सीएम हेल्यलाइन में की गई शिकायत पखवाड़े भर पहले सब-स्टेशन में खराबी के कारण अचानक हाई-वोल्टेज की समस्या पैदा हो गई थी, जिससे निकुम के वार्ड क्रमांक 15 में स्थित कई घरों के टीवी, फ्रिज, कुर्कर, पंखे और लाइट जलकर खाक हो गई। इस क्षति से आक्रोशित ग्रामीणों ने सीधे सीएम हेल्यलाइन में शिकायत दर्ज कराई है। अटल नगर निकुम निवासी लोकेश्वर साहू एवं अन्य ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय अधिकारियों को खराबी की पूरी जानकारी होने के बाद भी नया ब्रेकर नहीं लगाया जा रहा है। बार-बार बिजली गुल होने से घरेलू काम के साथ-साथ दुकानदारों व छोटे व्यवसायियों का कामकाज ठप पड़ गया है। इस संबंध में अंडा सब-स्टेशन के जेई मिनेश साहू ने बताया कि नया ब्रेकर लगाने के लिए उच्च अधिकारियों को मांग पत्र भेजा जा चुका है। ग्रामीणों ने मांग की है कि तत्काल नया ब्रेकर स्थापित कर बिजली व्यवस्था बहाल की जाए।

युवाओं में नेतृत्व क्षमता और सामाजिक चेतना का विकास करती है रासेयो: डॉ. मैहुरिया



हरिभूमि न्यूज ►►उतई

दाऊ उत्तम साव शासकीय महाविद्यालय मचांदुर (जिला दुर्ग) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में 24 सितंबर को एनएसएस का स्थापना दिवस सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं—लोकेश्वरी, कावेरी एवं देवयानी को पुरस्कृत कर की गई। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विकास कुमार टांडेकर ने एनएसएस के गठन, उद्देश्य, आदर्श वाक्य और समाज सेवा में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. संगीता

■ दाऊ उत्तम साव कॉलेज मचांदुर में मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस

मैहुरिया ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि एनएसएस, रेड रिबन क्लब और यूथ रेड क्रॉस जैसे संगठन युवाओं के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजग बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों को एनएसएस की डायरी और बैज का वितरण किया गया। प्राध्यापक नीलम संजीव एक्का, डॉ. कल्याणी, डॉ. नीलम, जागृति चंद्राकर, मुकेश सिन्हा, पूजा सोनी तथा बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे। संचालन विकास कुमार ने किया तथा आभार प्रदर्शन सहायक कार्यक्रम अधिकारी वर्षा वर्मा द्वारा किया गया।

अंचल व सिटी की खबरें

रावण भाटा में चलाया स्वच्छता अभियान



जामुल। भारतीय जनता पार्टी जामुल मंडल द्वारा मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता के नेतृत्व में 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के पावन अवसर पर रावण भाटा जामुल स्थित हनुमान मंदिर परिसर में व्यापक साफ-सफाई व स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान में सेवा पखवाड़ा प्रभारी रेखराम बंछोर (पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष), संयोजक ओमप्रकाश साहू, महामंत्री सह-संयोजक युवा मोर्चा अध्यक्ष यशवंत राजपूत, ध्रुव देवांगन (महामंत्री जिला कार्यसमिति), जोगेश्वर सोनी (वरिष्ठ पार्षद), कविता विसवाल (मंडल उपाध्यक्ष), अरुण यादव (कार्यालय प्रभारी), रामचंद्र साहू (पूर्व महामंत्री), नूतन वर्मा (पूर्व पार्षद), मेघनाथ साहू सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती मनाई गई



भिलाई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती वार्ड वार्ड 23 में मनाई गई। इस दौरान चरोदा मंडल अध्यक्ष ए गौरी शंकर ने अपने विचार रखे और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पूर्णभा ठाकुर ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानवाद, अंतिम छोर के व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं पहुंचे। इस पर जानकारी दी। इस अवसर पर विश्वकर्मा समिति के राष्ट्रीय संयोजक के विश्वनाथ, राजेश मौर्य, परमजीत सिंह, मनोज चक्रधारी, आशीष बोरकर, तरुण परगनिया, रोहित चौधरी, प्रमिला तांडी रेखा साहू, सुशांत भट्टाचार्य, लेख राम साहू, करण गुप्ता, प्रकाश शुक्ला, सुनील घोष समेत कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ गणपति विसर्जन



अंडा। ग्रामीण अंचल में 10 दिनों तक चले गणेश उत्सव का समापन शनिवार को अत्यधिक भक्तिमय वातावरण में हुआ। क्षेत्र के सैकड़ों घरों एवं सार्वजनिक पंडालों में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमाओं का श्रद्धालुओं ने अश्रुपूर्ण नेत्रों से विसर्जन किया। पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के कारण विसर्जन का कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा था, लेकिन शनिवार सुबह मौसम खुलते ही ग्रामीण अंचल में भारी चहल-पहल लौट आई। श्रद्धालुओं ने विघ्नहर्ता को नए वस्त्र एवं पुष्पमालाएं पहनाकर विशेष पूजा-अर्चना की। दोपहर बाद ढोल-नगाड़ों, डीजे और रंगणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आनाह के गगनभेदी जयकारों के साथ विसर्जन यात्राएं निकलीं, जो तांडुला नदी के तट पर पहुंचीं। वदी तट पर विद्वान आचार्यों ने अंतिम महाअरती संपन्न कराई, जिसके पश्चात प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं के बीच फल, लड्डू एवं खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया गया।

HEALTH TOWN

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनबीओएल, एनबी) शिवा एवं बायच रोड विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनबीओएल, बी.ओ.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620
छात्रा नगर, अमरेश्वर चौक के पास, सुबेदारी रायपुर
शिव + मातृ स्मृति मंगल वाकर, गावरी मंदिर के सामने, सुबेदारी, रायपुर

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

मेडरिनी, चिल्ड्रन्स एवं सज्जिकल हॉस्पिटल

प्रत्यक्ष सुविधाएं

- गर्भवती महिलाओं को संपूर्ण जांच व परामर्श गर्भवती एवं सोवियत डिस्को
- एवं बच्चे को आसानी से नलबंदी
- सर्वसुविधा युक्त PICU, NICU, OT

बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, सर्जरी, लैंग्विज, सरकल लीजन की सुविधा

आयुजमान कार्ड और CSEB से कैंसरलस उपचार, TPA की सुविधा

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrPH (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

पाइल्स

श्वर सुत्र विशेषज्ञ, 15000 से ऊपर सफल चिकित्सा, देश-विदेशों में भी प्रचलित।
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

१ सरस्वती दाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। १ मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडी मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप



कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग पर मंथन भिलाई। आईआईटी भिलाई में नराकांस स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय संघ की राजभाषा नीति था। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के उपप्रबंधक संपर्क व प्रशासन-राजभाषा जितेंद्र दास मानिकपुरी ने संघ की राजभाषा नीति, राजभाषा के संवैधानिक प्रावधानों तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की। मानिकपुरी ने विषय को सरल, सहज एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों को राजभाषा नीति के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उनके व्याख्यान ने कार्यशाला को विशेष रूप से उपयोगी और प्रभावी बनाया। प्रतिभागियों ने भी उत्साह पूर्वक सहभागिता की। मंच संचालन रेशमा बानो ने किया। इस अवसर पर संस्थान के कुलसचिव, हिंदी अधिकारी तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कुम्हारी भाजपा मंडल ने मनाई उपाध्याय की जयंती



कुम्हारी। भारतीय जनता पार्टी कुम्हारी मंडल, द्वारा शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया। पंडित दीनदयाल जी का जीवन सादगी, राष्ट्रनिष्ठा, सेवा और समर्पण का प्रतीक रहा है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया।इस अवसर पर भाजपा कुम्हारी मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा, मंडल महामंत्री दीपक चतुर्वेदी, नगर पालिका परिषद कुम्हारी की अध्यक्ष मीना वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष फिंगे साहू, वार्ड क्रमांक 04 के पार्षद उमाकांत साहू, खाद्य प्रभारी रामप्रकाश गुप्ता, कार्यालय मंत्री सूरज यादव सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रावणभाटा में फिर गरजी जेसीबी, निगम ने पाटी अवैध नाली के लिए खोदी गई सड़क

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

शहर में अवैध कब्जाधारियों की मनमानी चरम पर है। न तो इन्हें कानून का डर है और न ही शासन-प्रशासन का। इसका ताजा उदाहरण शनिवार को देखने मिला। वार्ड 17 रावणभाटा सुपेला में शनिवार को अवैध नाली निर्माण के लिए मां पुस्तक भंडार के संचालकों ने अलसुबह जेसीबी से करीब 30 फीट सड़क खोद दी। सड़क की खुदाई की सूचना मिलते ही नेता प्रतिपक्ष और वार्ड पार्षद भोजराज मौके पर पहुंचे और काम रुकवाने की चेतावनी देते हुए मामले की जानकारी जेोन-1 आयुक्त दिनेश कोसरिया को दी। शाम को निगम की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए खोदी गई सड़क को जेसीबी के सहायता से पाट दी।

जिस स्थान पर सड़क की खुदाई की गई, वहां पहले से ही एक नाली बनी हुई है। इस नाली पर पहले से मां पुस्तक भंडार का कब्जा है। नई नाली निर्माण के लिए नगर निगम से किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई थी। इसके बावजूद सुबह-सुबह जेसीबी लगाकर सड़क खोद दी गई। पार्षद द्वारा मना करने के बाद भी मजदूर बुलाकर नाली निर्माण भी शुरू कर दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद शनिवार शाम करीब 4 बजे जेोन-1 आयुक्त दिनेश कोसरिया निगम की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। निगम अमले ने जेसीबी की मदद से नाली निर्माण के लिए अवैध रूप से खोदी गई सड़क को वापस पाट दिया। साथ ही संबंधित लोगों को शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार की खुदाई या अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी दी गई। कार्रवाई के दौरान निगम अधिकारियों और मां पुस्तक भंडार के संचालकों के बीच काफी बहसबाजी हुई। निगम अधिकारियों के अनुसार शासकीय भूमि पर अवैध रूप से खुदाई किए जाने के मामले में मां पुस्तक भंडार के संचालकों के खिलाफ सुपेला थाने में शिकायत की गई है।

इस मानसून सीजन में औसत बारिश का कोटा 951.4 मिमी, अब तक हो चुकी 963.8 मिमी वर्षा

रिकार्ड : 48 साल में दुर्ग जिले ने पार किया मानसून का कोटा सामान्य से 17.6% ज्यादा बारिश, सबसे अधिक दुर्ग ब्लॉक में

खरीफ फसलों को अब पानी की जरूरत कम, अच्छी पैदावारी की उम्मीद बंधी



फैक्ट फाइल	
औसत वर्षा का कोटा :	951.4 मिमी
26 सितंबर तक वर्षा :	963.8 मिमी
औसत से अधिक वर्षा :	17.6 प्रतिशत
शुक्रवार-शनिवार की औसत वर्षा :	130.3 मिमी
सबसे अधिक वर्षा :	दुर्ग तहसील (187.7 मिमी)

एक दिन में ही 130.3 मिमी बारिश

शुक्रवार के एक ही दिन में जिले में औसतन 130.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सबसे अधिक 187.7 मिमी वर्षा दुर्ग तहसील में हुई। इसके अलावा मिलाई-3 में 160.5 मिमी, बोरी में 155 मिमी और अहिरा में 142 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। पाटन में 82.9 मिमी तथा धमधा में 53.8 मिमी वर्षा दर्ज हुई।



आज भी बारिश के आसार

मौसम विभाग ने दुर्ग संगम के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। यानी दुर्ग संगम सहित प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 27 सितम्बर को आकाश आंशिक मेघमय रहने के साथ एक-दो बार वर्षा या गरज-चमक के साथ बौछारे पड़ने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 और 24 C के आसपास रहने की संभावना है।

विधायक ललित ने अधिकारियों से फोन पर ली जानकारी



मुसलाधार बारिश के कारण दुर्ग, बालोद और राजनांदगांव जिले की सभी नदियां और नाले उफान पर हैं। इसके चलते दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के लगभग 20 गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति है। ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने जिला प्रशासन से फोन के माध्यम से चर्चा कर वर्तुस्थिति की जानकारी ली। विधायक चंद्राकर ने कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, सिंचाई विभाग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से बात कर प्रभावित गांवों में तत्काल राहत और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव वाले क्षेत्रों और निचली बस्तियों में विशेष निगरानी रखी जाए, संपर्क मार्गों पर बैरिकेडिंग की जाए और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ भोजन, पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

नहरों पर कब्जा होने के कारण कॉलोनी में भरा पानी

मिलाई के वार्ड 2 स्मृति नगर के पार्षद मुकेश अग्रवाल ने बताया कि पुष्पक नगर जुनवाणी से होते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कॉलोनी जुनवाणी तक नहरों पर अतिक्रमण कर नहरों को पाट दिया गया है जिससे बारिश होने पर बारिश का पानी आनंद नगर पुष्पक नगर दीनदयाल कॉलोनी जुनवाणी व अन्य कॉलोनी पर भर जाता है, जिससे आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ता है एवं उन्हें आर्थिक नुकसान भी पहुंचता है। 12 साल में लगभग 10 से अधिक बार कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत करने के बाद, कलेक्टर के निर्देश के बाद भी सिंचाई विभाग के अधिकारियों, राजस्व विभाग के अधिकारियों वह तहसीलदार द्वारा नेहरु की वास्तविक स्थिति नहीं बताई गई ना ही धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई की गई जिसके कारण लगातार पानी भरने से आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ा।



बढ़ा किराया, आवास नोटिस और नीति से भड़का आक्रोश

भिलाई। भिलाई टाउनशिप में आवास, बढ़े हुए किराये और मकान खाली कराने के नोटिस को लेकर सेवानिवृत्त कर्मचारियों का आक्रोश अब चुनौती मोर्चे तक पहुंच गया है।

- टाउनशिप के वार्डों में पार्षद प्रयाशी उतारने की घोषणा

शनिवार को सिविक सेंटर स्थित पायोनियर मॉन्यूमेंट में हुई सेवानिवृत्त कर्मिक कल्याण संघ की साप्ताहिक बैठक में संघ ने स्पष्ट पेलान किया कि यदि आचार संहिता लागू होने से पहले उनकी मांगों पर लिखित निर्णय नहीं हुआ, तो संघ आगामी निगम चुनाव में सीधे राजनीतिक



भागीदारी करेगा।

बैठक में महापौर पद के लिए सुमन कन्यौजे का नाम सर्वसम्मति से आगे किए जाने की जानकारी भी दी गई। संघ के अनुसार, सुमन कन्यौजे वर्तमान में भाजपा से जुड़ी हैं और चुनौती दावेदारी की स्थिति में संगठनात्मक पदों से इस्तीफा देने की बात कह चुकी हैं। अध्यक्ष सुरेश चंद सहित संघ के सदस्यों ने कहा कि

संगठन किसी राजनीतिक दल के पक्ष या विपक्ष में नहीं है। उनका कहना है कि उनका मुख्य मुद्दा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के आवास का स्थायी समाधान है। बैठक में कि दुर्गापुर, बोकारो, राउरकेला और बर्नपुर जैसी इकाइयों में अलग व्यवस्था है, जबकि भिलाई के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आवास के मामले में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नाम पर आश्वासन दिए जाते रहे, लेकिन आवास को लेकर अब भी स्थायी समाधान नहीं हुआ है।

संघ का आरोप है कि पिछले करीब डेढ़ वर्ष से आंदोलन और मांगों के बावजूद उन्हें अब तक लिखित समाधान नहीं मिला है। सदस्यों ने सेल की अन्य इकाइयों में लागू आवासीय व्यवस्थाओं का हवाला देते हुए भिलाई में अलग नियम होने पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि दुर्गापुर, बोकारो, राउरकेला और बर्नपुर जैसी इकाइयों में अलग व्यवस्था है, जबकि भिलाई के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आवास के मामले में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्वेच्छाल देन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)
कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर

रामेश्वरम् धाम यात्रा

श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी

राशि :- स्त्रीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAPUR- B-38, Sector-4, Kamal Vihar, KOREA- Shop No. 301,302,303 S.B. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- **9165-411411**

मित्तल हॉस्पिटल

त्वरित, सरल और कैशलेस सुविधा द्वारा

आयुष्मान योजना के अंतर्गत

निःशुल्क डायलिसिस

Dr Vijay Vachhani
— DrNB (Nephrology) —

अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें
अनुभवी नेफ्रोलॉजिस्ट द्वारा देखभाल

जुनवानी रोड, टी.आई. मॉल के पास, भिलाई
77228 80844, 0788-2294440

Deepak Ad./119/2

लाइव इवेंट

विशेष बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास का उत्सव अभिव्यक्ति की उड़ान आज



भिलाई। सामाजिक संस्थान गोल्डन एम्पथी फाउंडेशन द्वारा विशेष बच्चों के लिए आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम अभिव्यक्ति की उड़ान का आयोजन 27 सितंबर रविवार को शाम 4 बजे से महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर एवं धमतरी के लगभग 15 विद्यालयों के विशेष बच्चे उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता वाले बच्चे, जिनमें दृष्टिबाधित, मूक-बधिर तथा अन्य दिव्यांगता वाले बच्चे शामिल हैं, अपनी प्रतिभा को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच पर प्रस्तुत करेंगे। फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य विशेष बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ समाज में उनके प्रति सम्मान, समान अवसर और समावेश की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि प्रत्येक बच्चे में अपनी विशिष्ट प्रतिभा होती है और उचित अवसर मिलने पर वह उसे पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत कर सकता है। कार्यक्रम में सहभागी सभी बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालयों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों, सहयोगी संस्थाओं एवं सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान है। इस अवसर पर इन विशेष बच्चों की होसला अफजाई करने विभिन्न क्षेत्रों से अतिविशिष्ट जन उपस्थित रहेंगे।



लाइव इवेंट

उत्कृष्ट करने सुरेश को मिला श्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी सम्मान



भिलाई। राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के राज्य स्तरीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह का आयोजन पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम रायपुर में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में किया गया। समारोह में इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वैशाली नगर, भिलाई के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार ठाकुर को एनएसएस के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी के सम्मान से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने प्रदान किया। सम्मान के रूप में श्री ठाकुर को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिन्ह एवं पुरस्कार राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में डॉ अशोक कुमार श्रोती और डॉ नीता बाजपेई राज्य एनएसएस अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित थे। इस उपलब्धि पर इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय वैशाली नगर भिलाई की प्राचार्य डॉ. अलका मेश्राम ने हर्ष व्यक्त करते हुए सुरेश कुमार ठाकुर को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य ने कहा कि राज्य स्तर पर प्राप्त यह सम्मान महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के लिए गौरव का विषय है। यह सम्मान इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वैशाली नगर, भिलाई की एनएसएस इकाई के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा विद्यार्थियों को समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

● अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और स्मरण का अवसर है पितृपक्ष, आज प्रतिपदा और 10 अक्टूबर को पितृमोक्ष अमावस्या।

श्रद्धा पूर्वक तर्पण देना ही श्राद्ध, पितरों को जल देने के साथ अपने बच्चों को भी बताएं संस्कारों का महत्व

भिलाई। गणेश उत्सव के समापन के साथ अब सनातन परंपरा में पितरों के स्मरण और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का विशेष समय शुरू हो चुका है। 26 सितंबर से भाद्रपद पूर्णिमा का श्राद्ध शुरू हुआ, जबकि 27 सितंबर यानी आज से आश्विन कृष्ण प्रतिपदा के साथ पितृपक्ष का आरंभ होगा, जो 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या तक चलेगा। पितृपक्ष केवल पूर्वजों को जल अर्पित करने और श्राद्ध की परंपरा निभाने का समय नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, संस्कारों और पारिवारिक परंपराओं से जोड़ने का अवसर भी है। आचार्यों का कहना है कि ऐसे में परिवार जब पितरों के नाम से तर्पण करे तो बच्चों और युवाओं को भी साथ रखे, उन्हें बताए कि यह केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि उन पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है, जिनके संस्कार और योगदान परिवार की पीढ़ियों तक पहुंचे हैं। धार्मिक जानकारों का कहना है कि बच्चे इन परंपराओं को अपनी आंखों से देखेंगे, तभी उन्हें समझेंगे और आगे बढ़ाएं।

श्रद्धा से दिया जाए वही श्राद्ध

धर्मशास्त्रीय मान्यता में कहा गया है श्रद्धया दीयते यत् तत् श्राद्धम्, अर्थात् श्रद्धा से जो कुछ अर्पित किया जाए, वही श्राद्ध है। पितृपक्ष में दिवंगत परिजनों की तिथि के अनुसार तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध किया जाता है। जल, काला तिल, कुश और अन्न आदि का अर्पण पितरों के प्रति श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान परिवार अपने पूर्वजों का स्मरण कर उनके प्रति आभार व्यक्त करता है।

जल, तिल और कुश से तर्पण

राम भद्र सेवा मंडल सेक्टर-2 के आचार्य पं. संदीप तिवारी के अनुसार पितृपक्ष में शुद्ध तन-मन से दक्षिण दिशा की ओर मुख करके जल में काला तिल और कुश मिलाकर तर्पण करने की परंपरा है। पिंडदान और तर्पण के बाद ब्राह्मण, गाय, कुत्ते, कौए और चींटियों को भोजन कराने की परंपरा को पंचबलि कहा जाता है। उनके अनुसार पितरों का स्मरण और तर्पण केवल पुरुष ही नहीं, महिलाएं भी अपनी श्रद्धा के अनुसार कर सकती हैं।

कौए को भोजन कराने की परंपरा

श्राद्ध में कौए को भोजन कराने की परंपरा भी विशेष रूप से प्रचलित है। धार्मिक मान्यताओं में कौए को पितरों का प्रतीक मानकर उसके माध्यम से अन्न अर्पित किया जाता है। इसी तरह गाय, कुत्ते और अन्य जीवों को भोजन कराना जीव मात्र के प्रति संवेदना का भाव माना गया है। शाम को पितरों के नाम से दीपक जलाकर उनका स्मरण करने की परंपरा भी कई परिवारों में निभाई जाती है।



सीता ने किया था दशरथ का तर्पण

पं. तिवारी ने बताया कि रामायण से जुड़ी मान्यता के अनुसार भगवान राम से पहले माता सीता ने फल्गु नदी के तट पर राजा दशरथ का तर्पण किया था। इसी प्रसंग के कारण गाय और फल्गु नदी क्षेत्र पितृकर्म के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखते हैं। उनका कहना है कि पितृपक्ष को केवल एक दिन के कर्मकांड तक सीमित न रखते हुए पूरे पक्ष में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए।

गया-बद्रीनाथ में श्राद्ध के बाद भी करें तर्पण

पितृकर्म को लेकर लोगों में यह धारणा भी देखने को मिलती है कि गयाजी, बद्रीनाथ या किसी अन्य तीर्थ में पितरों का श्राद्ध-पिंडदान कर आने के बाद घर पर तर्पण या वार्षिक श्राद्ध की आवश्यकता नहीं रहती। धार्मिक परंपराओं में ऐसा नहीं माना गया है। तीर्थ में पितृकर्म करने के बाद भी परिवार अपनी परंपरा और दिवंगत परिजन की तिथि के अनुसार पितृपक्ष में तर्पण तथा वार्षिक श्राद्ध करता है। यानी तीर्थ में किया गया पितृकर्म और घर में निभाई जाने वाली पारिवारिक परंपरा दोनों का अपना महत्व माना जाता है।

पांच दिवसीय ध्यान-साधना शिविर 4 अक्टूबर तक

भिलाई। निर्मल ज्ञान मंदिर, कबीर आश्रम नेहरू नगर भिलाई में 30 सितंबर से 4 अक्टूबर तक पांच दिवसीय ध्यान-साधना शिविर का आयोजन किया जाएगा। सद्गुरु कबीर साहेब एवं संस्थापक संत निर्मल साहेब की साधना परंपरा के अनुरूप आयोजित इस शिविर में साधकों को नियमित ध्यान, आत्मचिंतन, सेवा और संयम के माध्यम से साधना का अवसर मिलेगा। शिविर के लिए चरणबद्ध समय-सारिणी निर्धारित की गई है। दिन की शुरुआत जागरण, नित्य क्रिया और ध्यान-साधना कक्ष में प्रवेश से होगी। इसके बाद प्रथम साधना सत्र, जलपान एवं सेवा कार्य, द्वितीय साधना सत्र, भोजन अवकाश, तृतीय साधना सत्र, भोजन अवकाश के बाद चतुर्थ साधना सत्र आयोजित होगा।

दिन का समापन प्रशांत दीप विश्राम के साथ किया जाएगा। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर द्वितीय साधना सत्र सुबह 9.30 से 11.30 बजे तक विशेष रूप से आयोजित किया जाएगा। शिविर के समापन अवसर पर समापन समारोह के साथ बाल संस्कार शिविर भी होगा। इसमें बच्चों, उनके अभिभावकों तथा अन्य संत-भक्तों के लिए खुला मंच रहेगा। साधकों के लिए नियम निर्धारित मीडिया प्रभारी दीनदयाल साहू ने बताया कि शिविर में साधकों के लिए कुछ आवश्यक नियम निर्धारित किए गए हैं। साधना सत्र के दौरान मोबाइल बंद अथवा साइलेंट मोड पर रखना होगा। अत्यावश्यक स्थिति में ही ध्यान कक्ष से बाहर एकांत स्थान पर

संक्षिप्त बातचीत की जा सकेगी। साधना एवं शयन के लिए निर्धारित आसन का ही उपयोग करना होगा। भोजन और जलपान के बाद पात्र एवं गिलास की सफाई स्वयं करनी होगी तथा आश्रम की स्वच्छता व्यवस्था में सहयोग करना होगा। शिविर के दौरान आश्रम से बाहर शहर या बाजार में जाने, समाचार पत्र पढ़ने अथवा मोबाइल देखने की अनुमति नहीं होगी। साधकों को आपसी बातचीत, परिचय एवं अनावश्यक चर्चा से बचते हुए यथासंभव मौन का पालन करने के लिए कहा गया है। शिविर की व्यवस्था में व्यवस्थापकों का सहयोग करते हुए संयम एवं शील का व्यवहार करने तथा भोजन एवं जलपान आवश्यकता के अनुसार ही लेने की अपील की गई है।

नेहरू नगर में वरिष्ठजनों के लिए खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं 5 अक्टूबर से

भिलाई। वरिष्ठ नागरिकों के मनोरंजन, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए नेहरू नगर में खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन होने जा रहा है। ज्येष्ठ नागरिक मंच नेहरू नगर के तत्वावधान में आयोजित ये प्रतियोगिताएं 5 अक्टूबर से प्रारंभ होंगी। इस आयोजन में दुर्ग एवं भिलाई के सभी सियान सदनों के सदस्य और उनके जीवनसाथी हिस्सा ले सकते हैं। मंच के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता और सचिव हेमंत चौहान ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में इंडोर और आउटडोर गतिविधियों को शामिल किया गया है, जिनमें मुख्य रूप से कैरम, बैडमिंटन, शतरंज, लूटो, टेबल टेनिस और बास्केटबॉल प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत वाद्ययंत्र वादन, गायन और नृत्य को शामिल किया गया है। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता का समय दो पालियों में तय किया गया है। सुबह की पाली 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक और शाम की पाली 5 बजे से 9 बजे तक रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन ज्येष्ठ नागरिक मंच, नेहरू नगर पश्चिम में किया जाएगा।



सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की भावना से आगे बढ़ें युवा

युवाओं को सिखाया सेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

नेतृत्व क्षमता और सामाजिक चेतना विकसित करता है एनएसएस

रजिस्ट्रार डॉ. वैभव तिवारी ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और सामाजिक चेतना विकसित होती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को सामाजिक सरोकारों से निरंतर जुड़े रहने और अपने कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।

डायरेक्टर विकास डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं है, बल्कि उस ज्ञान का उपयोग समाज के हित में करना भी है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को सेवा कार्यों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है। उन्होंने स्वयंसेवकों से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।



गीत-नृत्य से दिया सामाजिक चेतना का संदेश

समारोह में एनएसएस स्वयंसेवकों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत, नृत्य और अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, सामाजिक एकजुटता और सेवा भावना का संदेश दिया। प्रस्तुतियों को उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों ने सराहा। कार्यक्रम

के दौरान स्वयंसेवकों को उनके सहभागिता और योगदान के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. गोविंद शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. विनय पीतांबराम सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सेवा, सामाजिक दायित्व और राष्ट्र निर्माण के प्रति निरंतर कार्य करने के संकल्प लिया।

सिटी इवेंट

राष्ट्रगीत की भूमिका और महापुरुषों के बलिदान को किया स्मरण

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में नमामि भारत-कार्यक्रम के तहत सामूहिक वंदे मातरम्-गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्या भारती, अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और महाविद्यालय के कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीत वंदे मातरम् का गायन किया। कार्यक्रम का आयोजन महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देना तथा स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रीत की भूमिका और राष्ट्रनायकों के त्याग एवं बलिदान को स्मरण करना रहा।मुख्य अतिथि आईपी मिश्रा कुलाधिपति शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी व चेयरमैन गंगाजली शिक्षण समिति, मुख्य वक्ता अवधेश दुबे प्रांत संयोजक व सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी विद्यालय कुम्हारी तथा डॉ. संजय तिवारी कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग उपस्थित थे। सुबह 11 बजे सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया गया। मुख्य अतिथि आईपी मिश्रा ने अपने संबोधन में वंदे मातरम् के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला। कुलपति डॉ. संजय तिवारी ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, सम्मान और समर्पण की भावना का प्रतीक है। मुख्य वक्ता अवधेश दुबे ने कहा कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सामूहिक गायन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों और नागरिकों में देशभक्ति, राष्ट्रीय चेतना तथा सांस्कृतिक गौरव की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'वंदे मातरम्' की प्रेरणादायी भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि इस गीत ने लोगों में एकता, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से राष्ट्रीय मूल्यों, सामाजिक समरसता, शिक्षा और जिम्मेदार नागरिकता के माध्यम से देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना झा और अतिरिक्त निदेशक डॉ. दुर्गा प्रसाद राव ने अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। मंच संचालन डॉ. श्वेता गायकवाड़, सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने किया। अंत में डॉ. नीलू श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने आभार प्रदर्शन किया।



प्रदेश साहू संघ की वार्षिक आमसभा आज दुर्ग से बड़ी संख्या में पदाधिकारी होंगे शामिल

भिलाई। प्रदेश साहू संघ छत्तीसगढ़ की वार्षिक आमसभा 27 सितंबर को रायपुर के पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम में होगी। दोपहर 12 बजे से होने वाली इस आमसभा में प्रदेशभर के सभी जिलों के पदाधिकारी, आजीवन सदस्य और सामाजिक जन शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश साहू संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू करेंगे। आमसभा में दुर्ग जिले से भी बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधुओं के शामिल होने की तैयारी की जा रही है। जिला साहू संघ दुर्ग के अध्यक्ष नंदलाल साहू ने बताया कि आमसभा में जिला, तहसील, परिक्षेत्र एवं ग्रामीण इकाइयों के सभी पदाधिकारियों के साथ प्रदेश के आजीवन सदस्यों और सामाजिक जनों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक गतिविधियों में दुर्ग जिला प्रदेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। जिला मीडिया प्रभारी राकेश साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि आमसभा की तैयारियों और जिले की सहभागिता की रूपरेखा तय करने के लिए 26 सितंबर को सुबह 11 बजे जिला साहू सदन, केलाबाड़ी, दुर्ग में आवश्यक बैठक रखी गई है। बैठक में रायपुर जाने वाले पदाधिकारियों और सामाजिक जनों की सहभागिता को लेकर चर्चा की जाएगी। साथ ही गत माह का आय-व्यय का लेखा भी प्रस्तुत किया जाएगा। जिला अध्यक्ष नंदलाल साहू के मार्गदर्शन में दुर्ग जिले के सभी पदाधिकारी 27 सितंबर को सुबह 9 बजे जिला साहू सदन, केलाबाड़ी में एकत्रित होकर रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। जिला अध्यक्ष ने सभी से आमसभा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने को कहा है।

इंद्रधनुष-2026 में साहित्य की विविध विधाओं से सजेगी भावों की महफिल

भिलाई। प्रगतिशील जन-विचारधारा की साहित्यिक संस्था आरंभ की ओर से हिंदी पखवाड़े के उपलक्ष्य में विशेष साहित्यिक कार्यक्रम इंद्रधनुष-2026 रंग हैं अनेक, भाव है एक-साहित्य का आयोजन 27 सितंबर को भिलाई निवास स्थित इंडियन कॉफी हाउस सभागार में सुबह 10.30 से दोपहर 1.30 बजे तक किया जाएगा। इसी अवसर पर संस्था की 10वीं सांगठनिक बैठक भी होगी। कार्यक्रम में आरंभ के रचनाकार सदस्य कविता, लघुकथा, गीत, गजल, व्यंग्य, कहानी, रुबाई, दोहा और मुक्तक सहित विभिन्न साहित्यिक विधाओं में 3 से 4 मिनट की रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरंभ के मुख्य सलाहकार आचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा करेंगे। मुख्य अतिथि शिक्षाविद् प्रो. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा होंगे। व्यंग्यकार विनोद साव अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि विषय प्रवर्तन तारकनाथ चौधुरी करेंगे। मुख्य संचालन राकेश गुप्ता रसिया तथा काव्यपाठ का संचालन संस्था की महासचिव शायरा नुरुस्सबाह खान सवा करेंगी। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था साटकर की सरस्वती वंदना से होगी।

सुरेश को श्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी सम्मान

भिलाई। राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के राज्य स्तरीय स्थापना दिवस और सम्मान समारोह में इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय वैशाली नगर भिलाई के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार ठाकुर को उनके उत्कृष्ट व उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी सम्मान से सम्मानित किया गया। रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने सुरेश कुमार ठाकुर को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय, भारत सरकार के उप कार्यक्रम सलाहकार डॉ. अशोक कुमार श्रोती तथा छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग की राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. नीता बाजपेई सहित अन्य अतिथि उपस्थित थे।

51 झांकियां हुई शामिल, सर्वश्रेष्ठ आयोजन के लिए न्यू आजाद गणेशोत्सव समिति सम्मानित

बारिश के बीच भक्तों ने बप्पा को दी विदाई, सेंट्रल एवेन्यू मार्ग से गाजे-बाजे के साथ निकली झांकियां

मिलाई। ढोल-ताशों की थाप और गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों के बीच सिविक सेंटर के आस्था-चौक पर गणेश समितियों का रेला गुजरा। आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच का 11वें वर्ष का आयोजन रहा। राउत नाचा, धुमाल, ढोल नंगड़ा पारंपरिक नृत्य और देवी देवताओं की वेशभूषा धारण कर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में दुर्ग सांसद विजय बबेल, वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, रामजन्मोत्सव समिति युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय, पूर्व नेता प्रणिपस सुमदा सिंह, फिल्म अभिनेत्री रेवता पट्टा, डॉ. सुरोपन रॉय, डॉ. मंजू रॉय सहित समाज के अन्य लोग शामिल हुए । आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच का ग्यारहवें वर्ष का आयोजन छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों के लिए समर्पित रहा। छत्तीसगढ़ को नक्सलमुक्त करने में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ पुलिस के जाबाज इंस्पेक्टर शौर्य चक्र प्राप्त लक्ष्मण केवट और रामेश्वर प्रसाद देशमुख को उनकी अद्वितीय वीरता, रणभूमि में सूझबूझ और अदम्य साहस और वीरता के लिए नमन करते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। 51 झांकियां आयोजन में शामिल हुईं, जिन्हें कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथियों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ और कनिष्ठ दो वर्गों ने पुरस्कारों का वितरण किया गया जिसके तहत सर्वश्रेष्ठ आयोजन के लिए 11वें वर्ष का खिताब न्यू आजाद गणेशोत्सव समिति को दिया गया और सर्वश्रेष्ठ टीम के लिए शिव मानस गणेशोत्सव समिति सेक्टर 10, को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह से सीनियर और जूनियर के 7 अन्य कटेगिरी में भी समितियों को सम्मानित किया गया। वहीं अन्य मंच से होकर गुजरने वाली समस्त सभी को सम्मानित कर उनका हैसला बढ़ाया गया।



मिलाई रत्न से सम्मानित हुई विभूतियां

आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मिलाई रत्न



सम्मान से शहर की विभूतियों का सम्मान किया गया। इसके तहत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ उदय धाबर्डे, तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सुमीत घोष, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में राजेंद्र अगवाल, शोध कार्य में उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. मंजू रॉय, को सम्मानित किया गया। स्व.बीरा सिंह सेवा योजना के तहत सरस्वती देवी को 11000 और स्व. प्रकाश भाकरे सेवा योजना के तहत पशुओं और जानवरों की निःस्वार्थ सेवा के लिए आदर्श राय को 11 हजार की राशि का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्मारिका का विमोचन किया गया। अध्यक्ष मिथलेश ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य धर्म और संस्कृति की रक्षा करने के साथ साथ गणेश पूजन समितियों को पुरस्कृत कर उनका हैसला बढ़ाने का है ताकि वे भविष्य और भी बेहतर कार्य कर सकें। इस अवसर पर राजेश नथवाणी, बदाराव बोरोडे, राजेश सांवल, सुरेंद्र ठाकुर, रमणी पशीने, प्रीतम हरपाल, नितिन श्रीवास्तव, प्रज्जवला आदि मौजूद थे।

गणेश को प्रथम आमंत्रण के बाद मां के दरबार पहुंची लालमैदान दुर्गोत्सव समिति

मिलाई। लालमैदान, पावर हाउस में आयोजित होने वाले शारदीय नवरात्र उत्सव को लेकर लालमैदान दुर्गोत्सव समिति ने धार्मिक परंपरा के अनुरूप आमंत्रण का क्रम शुरू किया है। किसी भी शुभ कार्य से पहले प्रथम पूजनीय भगवान गणेश को आमंत्रण देने के बाद समिति का प्रतिनिधिमंडल डोंगरगढ़ पहुंचा। यहां मां बम्लेश्वरी के दरबार में दर्शन-पूजन कर शारदीय नवरात्र उत्सव का आमंत्रण अर्पित किया गया और आयोजन की सफलता के लिए आशीर्वाद मांगा गया। समिति के अनुसार, लालमैदान में प्रतिवर्ष मां जगदम्बा का भव्य दरबार सजाया जाता है। इस बार समिति के सेवादायों ने मां को उनके जागृत धाम पहुंचकर आमंत्रित करने का निर्णय लिया। मां बम्लेश्वरी से प्रार्थना की गई कि वे शारदीय नवरात्र के दौरान लालमैदान पथार और श्रद्धालुओं पर अपनी कृपा बनाए रखें।

कुंड बनाकर भगवान गणेश का किया विसर्जन

दुर्ग। 12 दिनों तक चले गणेश उत्सव के बाद गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का शिलशिला शुरू हो गया है। गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश को विदाई दी। जगह-जगह शोभायात्राओं के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इसी क्रम में दुर्ग के पद्मनाभपुर मिनी स्टेटियम में श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अनूठी पहल की। समिति द्वारा

भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन नदी या तालाब में करने के बजाय पंडाल परिसर में ही बनाए गए कुत्रिम कुंड में भगवान गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव एवं सदस्य पूर्व पार्षद राजेश शर्मा ने बताया कि यह पहल लगातार दूसरे वर्ष की जा रही है। इसके लिए रामेश्वर धाम मुख्य पंडाल के सामने करीब 5 फीट गहरा गड्ढा खोदकर कुंड तैयार किया गया था। इस अवसर पर संतोष खिरौड़कर, बाबा चौहान सहित समिति के अन्य सदस्य एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

वन्दे मातरम सामूहिक गायन

सरस्वती शिशु मंदिर में विद्यार्थियों ने गाए वंदे मातरम



दुर्ग। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कसारीडीह में नमामि भारतम अभियान अंतर्गत वन्दे मातरम के 150वें वर्ष के अवसर पर एक समय, एक लय, एक स्वर वन्दे मातरम सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय की प्राचार्य कृपा शर्मा ने अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शासकीय विद्यालय हनोदा की शिक्षिका डॉ. सखी ने राष्ट्रीय गीत के सम्मान और राष्ट्र की गरिमा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों और शिक्षकों में राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति का भाव देखने को मिला।

अभिव्यक्त करने वाला राष्ट्रीय चेतना का स्वर है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं सरस्वती शिक्षा समिति की सहसचिव डॉ. शांति शर्मा ने वन्दे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्र की रक्षा और सम्मान के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित में वन्दे मातरम का सामूहिक गायन करना चाहिए। कार्यक्रम में आशीष शर्मा ने मैकाले की शिक्षा पद्धति के स्थान पर भारतीय संस्कृति एवं संस्कार आधारित शिक्षा के विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक प्रमुख पूर्णिमा भौमिक और आभार प्रदर्शन प्रधानाचार्य सुनील श्रीवास्तव ने किया। इस चेतना की आवाज बन चुका है। उच्च शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने वन्दे मातरम गीत की प्रत्येक पंक्ति का अर्थ और भावार्थ विस्तार से समझाया। श्री यादव ने कहा कि वन्दे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना को

बेटियां आखिर कब तक रहें सावधान, जरूरत पर 930 हेलपलाइन और 112 का करें उपयोग

सड़क से सोशल मीडिया तक महिलाओं की सुरक्षा पर बढ़ी चिंता, साइबर अपराध और बदलती तकनीक ने बढ़ाई चुनौती

कार्नर न्यूज

भिलाई। महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा आज केवल घर से बाहर निकलने या देर रात अकेले सफर करने तक सीमित मुद्दा नहीं रह गया है। बदलती तकनीक के साथ अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। सड़क और सार्वजनिक स्थानों के साथ अब मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म भी महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। अर्चना सिंह रायजादा ने बताया कि सोशल मीडिया से किसी युवती की तस्वीर उठाकर उसका आपत्तिजनक या परिवर्तित रूप तैयार करना, फर्जी प्रोफाइल बनाकर पहचान का दुरुपयोग करना, निजी तस्वीरों और बातचीत के जरिए ब्लैकमेल करना, साइबर स्टॉकिंग करना और व्यक्तिगत जानकारी का गलत इस्तेमाल करना जैसे मामले चिंता बढ़ रहे हैं। डीपफेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। तकनीक के माध्यम से किसी सामान्य तस्वीर



या वीडियो को इस तरह बदला जा सकता है कि उसका वास्तविक व्यक्ति से कोई संबंध न रहे। ऐसी सामग्री के सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने से पीड़ित महिला की निजता, प्रतिष्ठा और मानसिक शांति प्रभावित हो सकती है। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों के लिए राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत की सुविधा उपलब्ध है। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में 1930 हेलपलाइन और आपातकालीन पुलिस सहायता के लिए 112 का उपयोग किया जा सकता है।

साइबर अपराध के साथ सड़क पर भी चुनौतियां

महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा केवल ऑनलाइन दुनिया तक सीमित नहीं है। स्कूल-कॉलेज से लौटती छात्राओं का पीछा करना, सार्वजनिक परिवहन में छेड़छाड़, कार्यस्थल पर अनुचित व्यवहार, परिचित व्यक्ति द्वारा विश्वास का दुरुपयोग तथा बिना अनुमति तस्वीर या वीडियो बनाना जैसी घटनाएँ भी गंभीर चिंता का विषय हैं। किसी घटना के बाद अक्सर सवाल पीड़िता से ही किए जाते हैं कि वह वहां क्यों गई थी, इतनी देर बाहर क्यों थी या उसने सोशल मीडिया पर तस्वीर क्यों साझा की। सुरक्षा के लिए सावधानी जरूरी है, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी केवल महिलाओं पर डालना भी गंभीर सामाजिक प्रश्न खड़ा करता है।

बेटियों के साथ बेटों को भी जिम्मेदारी सिखाने की जरूरत

अर्चना सिंह रायजादा ने बताया कि महिलाओं को आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ युवाओं को सम्मान, सहमति और व्यक्तिगत सीमाओं के बारे में समझाना भी जरूरी है। परिवार और विद्यालयों की भूमिका इसमें महत्वपूर्ण हो सकती है। परिवारों में बेटियों की सुरक्षा को लेकर केवल रोक-टोक के बजाय उन्हें आत्मविश्वास और अपने अधिकारों की जानकारी देने पर जोर देने की जरूरत है। वहीं विद्यालयों में डिजिटल शिष्टाचार, नैतिक संवेदनशीलता, सम्मान और जिम्मेदार व्यवहार जैसे विषयों पर भी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

सवाल सिर्फ सावधानी का नहीं, जिम्मेदारी का भी

महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के साथ समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। साइबर अपराध की स्थिति में शिकायत करने, डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और समय पर संबंधित एजेंसियों तक जानकारी पहुंचाने के प्रति जागरूकता जरूरी है। सुरक्षित समाज का अर्थ केवल यह नहीं कि बेटियां हर कदम सावधानी से उठाएं। जरूरत ऐसे वातावरण की है, जहां महिलाएं शिक्षा, रोजगार, यात्रा और अपने सामाजिक जीवन में बिना भय के आगे बढ़ सकें। ऐसे में सवाल केवल यह नहीं है कि बेटियां आखिर कब तक सावधान रहेंगी? सवाल यह भी है कि समाज कब जिम्मेदार बनेगा और महिलाओं की सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में कब स्वीकार करेगा?

सिटी स्पोर्ट्स

सीबीएसई राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में आरव ने जीता कांस्य पदक



रायपुर। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित सीबीएसई राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में बिलासपुर कॉरपोरेशन संघ के तैराक आरव शर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है। आरव ने 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले (मिश्रित शैली) तैराकी स्पर्धा में भाग लेते हुए यह शानदार सफलता हासिल की।आरव की इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर बिलासपुर कॉरपोरेशन संघ के अध्यक्ष बन्नी प्रसाद गुर्जर, हेमंत परिहार, सतीश ठाकुर, प्रशिक्षक संतोष पाल, शंकर पांडेय और सागर सिंह परिहार सहित संघ के अन्य सदस्यों एवं खेल प्रेमियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

राज्य स्तरीय शालेय बैडमिंटन में हर्षित ने जीता दोहरा खिताब



रायपुर। राजनांदगांव में 24 से 27 सितंबर तक आयोजित 26वाँ राज्य स्तरीय शालेय 14 व्ष बैडमिंटन प्रतियोगिता में खरसिया के खिलाड़ी हर्षित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरा खिताब अपने नाम किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र हर्षित ने बिलासपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए एकल और युगल दोनों वर्गों में पहला स्थान प्राप्त किया। हर्षित की इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर.एल. कुजूर, विकासखंड स्रोत समन्वयक प्रदीप साहू, विकासखंड खेल अधिकारी रामगोपाल पटेल, हालाहुली स्कूल के प्राचार्य यू.डी. वैष्णव एवं व्यायाम शिक्षक कुलदीप टोप्पो ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय बास्केटबॉल के लिए छत्तीसगढ़ के चार खिलाड़ियों का चयन



रायपुर। विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) में 27 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली 51वीं सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए बिलासपुर जिले से चार खिलाड़ियों का चयन राज्य की टीम में किया गया है। भिलाई स्थित दिवंगत राजेश पटेल अकादमी में आयोजित 15 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनकर्ताओं ने बालक एवं बालिका वर्ग में अंतिम 12-12 खिलाड़ियों की सूची तैयार की।

जिले से चयनित खिलाड़ियों में छत्तीसगढ़ स्कूल बास्केटबॉल मैदान के संकेत कश्यप (बालक वर्ग) तथा परी पासवान, निमिषा साहू और तोषित पाठक (बालिका वर्ग) शामिल हैं। खिलाड़ियों की इस सफलता पर प्रवीण बिसेन, अमित मंडल, ई. जेकब, डॉ. गोपाल कृष्ण पाठक, धीरेन्द्र सिंह, प्रदीप वर्मा, प्रीतम दास, बिपिन बिहारी सिंह, सुनील राठौर, डेमन साहू, प्रदीप साहू, अख्तर खान, देवेंद्र भोंसले, अजय यादव, विकास काकडे, विमल रॉय, सौरभ सिंह, योगेश साहू, आतिश पारीख, प्रदीप यादव, रूपेंद्र सिंह ठाकुर, निलेशकान्त श्रीवास और संतोष यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता बहतराई स्टेडियम में आज



रायपुर। बिलासपुर जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 27 सितंबर को बहतराई स्टेडियम में किया जा रहा है। इस स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य जिले की कनिष्ठ (जूनियर) एथलेटिक्स टीम का गठन करना है। इस प्रतियोगिता के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 13 सब-जूनियर खिलाड़ियों और 2 अधिकारियों (ऑफिशियल्स) का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 14 से 16 नवंबर तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय अंतर-जिला जूनियर एथलेटिक्स स्पर्धा में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह चयन स्पर्धा बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में आयोजित होगी, जिसमें 12 से 14 वर्ष और 14 से 16 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के दिशानिर्देशों के अनुसार किया जा रहा है।

खान-पान और जीवनशैली के सही संतुलन से ही संभव है मधुमेह पर पूर्ण नियंत्रण

मधुमेह प्रबंधन में थोड़ी सी लापरवाही बढ़ा सकती है आपके रक्त शर्करा का स्तर, बेहद सावधानी से करें इसे नियंत्रित

मधुमेह (डायबिटीज) वैश्विक स्तर पर तेजी से फैलती हुई एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन चुका है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर आयु वर्ग के लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। यही कारण है कि कम उम्र से ही इसके निवारण और बचाव को लेकर सजग रहना अत्यंत आवश्यक है।

चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर में शर्करा (शुगर) के स्तर को नियंत्रित रखने के लिए हमारी दिनचर्या और आहार दोनों का संतुलित होना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया में भोजन की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है। आप अपने आहार में किन पदार्थों को शामिल कर रहे हैं और किनसे परहेज कर रहे हैं, इसका सीधा प्रभाव आपके रक्त में शर्करा के स्तर पर पड़ता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, मधुमेह एक ऐसी स्थिति है जिसका उचित प्रबंधन आपके जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला सकता है। वहीं दूसरी ओर, इसमें बरती गई जरा सी भी ढिलाई शरीर के अन्य अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है और कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं को जन्म दे सकती है। जो लोग मधुमेह से पीड़ित हैं अथवा जिनमें इसका जोखिम अधिक



है, उन्हें अपनी दैनिक आदतों को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

चिकित्सा विशेषज्ञों की राय

संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (पीजीआई), लखनऊ के मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक अरुण बताते हैं कि हमारी कई दैनिक आदतें अनजाने में ही मधुमेह की स्थिति को और अधिक बिगाड़ देती हैं। अधिकांश लोग इन सूक्ष्म कारणों से सर्वथा अनभिज्ञ रहते हैं। मधुमेह के रोगियों के लिए यह जानना अत्यंत आवश्यक है कि उन्हें किन चीजों से दूर रहना चाहिए। इन निर्देशों और सावधानियों का कड़ाई से पालन करना आपको गंभीर चिकित्सीय आपातकाल से सुरक्षित रख सकता है।

मधुमेह के रोगियों को चिकित्सक से नियमित परामर्श लेते रहना चाहिए। रक्त शर्करा की समय-समय पर जांच न कराना और निर्धारित औषधियों का नियमित सेवन न करना समस्या को और अधिक भयावह बना सकता है। इसके अतिरिक्त दैनिक जीवनशैली की कुछ अन्य बातों पर भी ध्यान देना आवश्यक है।



कराटे का निशुल्क प्रशिक्षण लिया बच्चों ने, सफलता पर मिले प्रमाणपत्र

भिलाई। सेक्टर-7, सड़क-5 स्थित विद्यालय में निशुल्क कराटे प्रशिक्षण संस्थान का 15वां स्थापना दिवस समारोह गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर इंडियन नेशनल मेटल वर्कर्स फेडरेशन के सचिव एवं अनुभवी ट्रेड यूनियन नेता एन.एन. राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। उन्होंने कराटे प्रशिक्षक के. श्रीनिवास को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया।

एन.एन. राव ने बताया कि के. श्रीनिवास चतुर्थ डैन सीनियर ब्लैक बेल्ट धारक हैं तथा उन्होंने कमांडो व विशेष कार्य बल के प्रशिक्षक के रूप में भी सेवाएं दी हैं। श्रीनिवास ने लगभग 12 वर्ष पूर्व कराटे क्षेत्र में अपना सफर शुरू किया था और वर्ष 2011 से वे बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं।

के. श्रीनिवास ने कहा, रमुझे कराटे में प्रशिक्षित करने और एक कुशल प्रशिक्षक के रूप में तैयार करने का श्रेय अमल तालुकदार जी को जाता है। उनके मार्गदर्शन में ही मैंने चतुर्थ डैन सीनियर ब्लैक बेल्ट तक की उपाधि प्राप्त की। अब तक मैं विभिन्न स्तरों पर 500 से अधिक बच्चों को कराटे का प्रशिक्षण दे चुका हूँ। उल्लेखनीय है कि अमल तालुकदार ने लगभग 12 वर्ष पूर्व कराटे क्षेत्र में अपना सफर शुरू किया था और वर्ष 2011 से वे बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं।



कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्या अश्वी श्रीवास्तव एवं प्रधान अध्यापक राजपूत का विशेष योगदान रहा। इस दौरान कंपनी कमांडेंट जगमय्या राव, नगर निगम भिलाई के एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू, पूर्व सीआईएसएफ कमांडो प्रशिक्षक आनंद कुमार चक्रवर्ती, तृतीय डैन सीनियर ब्लैक बेल्ट संजय प्रसाद, चार्टर्ड अकाउंटेंट दीपांकर समद्वार, राकेश चौधरी, हरेंद्र राय, चंद्रकांत, अनिल कुमार, के. प्रसाद राव, जे. हरिकृष्ण, माधव राव, सेक्टर-2 से श्रीनिवास, एम. अप्पाराव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्या अश्वी श्रीवास्तव एवं प्रधान अध्यापक राजपूत का विशेष योगदान रहा। इस दौरान कंपनी कमांडेंट जगमय्या राव, नगर निगम भिलाई के एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू, पूर्व सीआईएसएफ कमांडो प्रशिक्षक आनंद कुमार चक्रवर्ती, तृतीय डैन सीनियर ब्लैक बेल्ट संजय प्रसाद, चार्टर्ड अकाउंटेंट दीपांकर समद्वार, राकेश चौधरी, हरेंद्र राय, चंद्रकांत, अनिल कुमार, के. प्रसाद राव, जे. हरिकृष्ण, माधव राव, सेक्टर-2 से श्रीनिवास, एम. अप्पाराव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्नर न्यूज

संध्याकालीन आदतों और दिनचर्या में थोड़ा बदलाव लाकर पाएं रोगमुक्त और खुशहाल जीवन

वजन बढ़ाना या घटाना नहीं बल्कि उसे संतुलित रखना है असली समझदारी, जीवनशैली पर दीजिए पूरा ध्यान



संतुलित और नियंत्रित रखने के लिए प्रयासरत हैं, तो पौष्टिक आहार और नियमित शारीरिक श्रम का कोई विकल्प नहीं है। इसके साथ ही, दैनिक समय-सारणी में कुछ साधारण परिवर्तन करके आप अपने स्वास्थ्य को उत्कृष्ट बना सकते हैं। समय पर और पर्याप्त नींद लेें भार नियंत्रण की प्रक्रिया में नींद की गुणवत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए प्रतिदिन एक निश्चित समय पर सोने और जागने का नियम बनाएं। एक

व्यवस्थित समय-सारणी का पालन करने से मस्तिष्क और शरीर को गहरा विश्राम मिलता है। यदि आप भार नियंत्रित करने के लिए कड़ा परहेज (डाइटिंग) कर रहे हैं, लेकिन आपकी नींद पूरी नहीं हो रही है, तो इसका उल्टा असर पड़ सकता है और भार घटने के बजाय बढ़ सकता है। संध्याकालीन शारीरिक गतिविधियों पर ध्यान दें अपने दैनिक जीवन में नियमित शारीरिक गतिविधियों को स्थान दें। शाम के समय टहलना

या हल्का व्यायाम करना अत्यंत लाभदायक होता है। हालांकि, रात्रि के समय अत्यधिक कठोर या तीव्र व्यायाम करने से बचें, क्योंकि इससे हृदय की गति बढ़ जाती है और नींद प्रभावित हो सकती है। सोने से कम से कम 1 से 2 घंटे पूर्व सभी प्रकार के व्यायाम बंद कर देने चाहिए।

रात्रि के भोजन (डिनर) का विशेष नियम रात्रि का भोजन भार नियंत्रण में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि रात्रि का भोजन हमेशा हल्का, सुपाच्य और कम कैलोरी वाला होना चाहिए। अत्यधिक वसायुक्त और भारी भोजन करने से वसा तेजी से जमा होती है। साथ ही, भोजन करने के तुरंत बाद बिस्तर पर न जाएं; भोजन और सोने के समय के बीच कम से कम 2 घंटे का अंतर अवश्य रखें।



घटाएं एलडीएल और बढ़ाएं एचडीएल का स्तर, रहेंगे स्वस्थ

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, बाजार का तला-भुना भोजन, शारीरिक व्यायाम का अभाव और निरंतर बना रहने वाला मानसिक तनाव—ये सभी कारक मिलकर हमारे शरीर में हानिकारक कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) की मात्रा को बढ़ा देते हैं और उपयोगी कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) के स्तर को कम कर देते हैं। हमारी दिनचर्या की प्रत्येक गतिविधि का सीधा प्रभाव हमारे शरीर के आंतरिक अंगों पर पड़ता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ निरंतर सतर्क रहने की सलाह देते हैं। आज के दौर में असंतुलित जीवनशैली के कारण जो समस्याएं तेजी से पनप रही हैं, उनमें कोलेस्ट्रॉल का असंतुलन सबसे प्रमुख है। कोलेस्ट्रॉल मूलतः हमारे शरीर के लिए एक आवश्यक तत्व है, किंतु यदि इसकी मात्रा सीमा से अधिक हो जाए, तो यह हृदय के स्वास्थ्य को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है।

सर्वप्रथम समझें कि कोलेस्ट्रॉल क्या है ?

कोलेस्ट्रॉल एक प्रकार का वसायुक्त (मोम जैसा) पदार्थ



है, जो हमारे शरीर में कोशिकाओं की बाहरी झिल्ली (सेल मेम्ब्रेन) के निर्माण, आवश्यक हार्मोनों के साव और पाचन क्रिया को सुचारू बनाने के लिए अनिवार्य होता है। परंतु जब रक्त में इसका स्तर आवश्यकता से अधिक हो जाता है, तो यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो सकता है। विशेष रूप से आज की आधुनिक जीवनशैली, डिब्बाबंद भोजन, तनाव और शारीरिक निष्क्रियता के कारण बड़ी संख्या में लोग उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या से ग्रसित हो रहे हैं।

उच्च कोलेस्ट्रॉल के कारण हृदय संबंधी रोगों का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। यह धीरे-धीरे रक्त वाहिकाओं (धमनियों) की भीतरी दीवारों पर जमा होकर उन्हें संकरा कर देता है, जिससे पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह बाधित होने लगता है। इसके परिणामस्वरूप हृदयाघात (हार्ट अटैक) और मस्तिष्क अघात (स्ट्रोक) जैसी जानलेवा स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

चिकित्सकों का कहना है कि यह समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि सम्पूर्ण कोलेस्ट्रॉल खराब नहीं होता। शरीर को सुचारू रूप से चलाने के लिए इसकी आवश्यकता होती है, किंतु जब इसका संतुलन बिगड़ता है, तभी यह रोग का रूप लेता है। कोलेस्ट्रॉल मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है— उपयोगी कोलेस्ट्रॉल और हानिकारक कोलेस्ट्रॉल। दोनों के कार्य परस्पर भिन्न हैं

क्या होता है हानिकारक कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) ?

कम घनत्व वाला लिपोप्रोटीन (एलडीएल) ही हानिकारक कोलेस्ट्रॉल कहलाता है। यह धमनियों में जमा होकर रुकावट पैदा करता है, जिससे रक्त का संचरण धीमा हो जाता है और हृदय पर अत्यधिक दबाव पड़ता है।



शाही अंदाज

गुलाबी रंग की यह मध्य पोशाक आधुनिक फैशन और शाही अंदाज का खूबसूरत मेल प्रस्तुत करती है। नाजूक घेरदार झालरें (रफल्स), लंबी लहराती लहरदार झालर और कोमल हल्के रंग पूरे रूप-रंग को आकर्षक बनाते हैं। रोशनी और प्राचीन पुष्ठभूमि इसकी खूबसूरती को और निखारते हैं, जिससे यह पहनावा खास मौकों के लिए बेहद शानदार नजर आता है।



पारंपरिक पहनावे के साथ ख़ूब जचेंगे मोती और कुंदन के आकर्षक आभूषण



किसी भी मांगलिक कार्य या समारोह में जाने के लिए अपने पहनावे और रूप-रंग को हम कई तरह से सजाते हैं। अपने स्वरूप को खास बनाने के लिए सही शैली चुनना बेहद जरूरी होता है। इसमें गहनों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। बाजार में आपको कई तरह के गहनों की बनावट और रूपांकन (डिजाइन) आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन जब बात किसी विवाह या उत्सव में जाने की हो, तो तैयारियां कुछ खास करनी पड़ती हैं। अपने लुक को आकर्षक बनाने के लिए आप प्रमुखता से दिखने वाले हार (स्टेटमेंट नेकपीस) पहन सकती हैं। इसलिए आज हम आपको कंठहारों के कुछ खास डिजाइन दिखाने जा रहे हैं जिन्हें



आप किसी भी शादी या उत्सव के लिए चुन सकती हैं। साथ ही बताएंगे इन्हें पहनने के आसान तरीके ताकि आपका रूप सबसे अलग और आकर्षक नजर आए।



मास्क का प्रयोग करते समय रखें विशेष ध्यान



त्वचा की देखभाल करने के लिए हम सभी कई तरीके अपनाते हैं। लेकिन आपका कोई भी उपाय केवल तभी काम आता है, जब आपकी त्वचा पूरी तरह साफ हो। त्वचा साफ होने पर हर उत्पाद उसके भीतर तक जाता है, जिससे आपको सर्वश्रेष्ठ परिणाम मिलता है। त्वचा की गहरी सफाई के लिए सिर्फ मुंह धोना ही जरूरी नहीं है, बल्कि कभी-कभी सुखाकर उतारे जाने वाले लेप (पील ऑफ मास्क) का भी प्रयोग किया जा सकता है। यह लेप न केवल आपकी त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाता है (एक्सफोलिएट करता है), बल्कि उसे

गहराई से साफ भी करता है। कभी-कभी इसका प्रयोग करने से त्वचा में चमक आने लगती है और उसकी बनावट में भी सुधार होता है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि यह लेप आपकी त्वचा के लिए बेहद लाभदायक है, लेकिन इसे इस्तेमाल करते समय आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पहले त्वचा को करें साफ

लेप आपकी त्वचा को साफ करता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सोधे ही इसे चेहरे पर लगा लें। हमेशा

ध्यान रखें कि आप पहले अपनी त्वचा को धोकर साफ करें। इससे श्रृंगार (मेकअप), गंदगी और अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद मिलेगी। साथ ही, त्वचा साफ करने से लेप त्वचा पर बेहतर ढंग से चिपकता है और अधिक प्रभावी ढंग से काम करता है।

त्वचा का परीक्षण (पैच टेस्ट)

अवश्य करें

वैसे तो यह लेप आपकी त्वचा पर प्रभावी तरीके से काम करता है, लेकिन जरूरी नहीं है कि यह हर प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त हो। इसलिए, अपने पूरे चेहरे पर लेप लगाने से पहले आपको एक बार त्वचा के छोटे से हिस्से पर परीक्षण अवश्य करना चाहिए। इससे आपको यह पता चल जाएगा कि लेप में मौजूद सामग्री के कारण आपकी त्वचा पर किसी तरह का प्रतिकूल प्रभाव या एलर्जी होगी या नहीं।

कार्नर न्यूज

परिधानों के सही चयन से लेकर शारीरिक हाव-भाव तक पर दें ध्यान

उत्सवों और पार्टियों में छा जाने के लिए पुरुषों के लिए खास गूमिंग गाइड, ये तरीके देंगे आपको एक आकर्षक पहचान



प्रभावशाली नजर आए। इसके लिए कुछ बुनियादी फैशन और गूमिंग नियमों को समझना जरूरी है।

दाढ़ी और बालों की सही गूमिंग

तैयार होने से पहले दाढ़ी को सही आकार दें या शेव करें और बालों को अच्छे से व्यवस्थित (सेट) करें। यह आपके व्यक्तित्व को तुरंत निखारता है।

आमतौर पर किसी पार्टी या त्योहार के मौके पर महिलाएं तो आसानी से तैयार हो जाती हैं, लेकिन पुरुषों को अक्सर समझ नहीं आता कि वे क्या पहनें और कैसे तैयार हों ताकि उनका लुक सबसे अलग दिखे। हर पुरुष चाहता है कि जब इन खास पलों की तस्वीरें ली जाएं, तो वह आकर्षक और

चेहरे की स्वच्छता और नमी

त्वचा को अच्छी तरह धोकर साफ करें ताकि गंदगी निकल जाए। इसके बाद चेहरे पर हल्का मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं ताकि त्वचा ताजा दिखे।

अनुते परिधानों का चुनाव

पारंपरिक मौकों पर थोड़ा अलग

दिखने के लिए धोती-कुर्ता के साथ

अपने पहनावे को पूरा करने के लिए



नेहरू जैकेट पहन सकते हैं। यह परिधान देखने में बेहद शालीन और प्रभावशाली लगता है।

कलाई पर एक अच्छी घड़ी जरूर पहनें। घड़ी का चयन अपने कपड़ों की शैली के अनुरार करें।

कुर्ता और पजामा का विकल्प

यदि आप धोती नहीं पहनना चाहते, तो अच्छे कट और फिटिंग वाला कुर्ता-पजामा पहनें। यह भी एक सुरक्षित और आकर्षक विकल्प है।

कलाई घड़ी की महत्ता

जूतों और मोजड़ियों का ध्यान रखें

आपके जूते आपके व्यक्तित्व की पहचान होते हैं। पारंपरिक परिधानों के साथ एथनिक मोजड़ी या कोल्हापुरी चप्पल का चयन करें।

भोजपुरी



पाशचात्य शैली में माही का नागिन डांस रिलीज, हाथों-हाथ लिया फैस ने

प्रख्यात निर्माता रत्नाकर कुमार द्वारा निर्मित नया गीत 'नागिन जैसे डांस' आज यूट्यूब पर जारी (रिलीज) कर दिया गया, जिसमें अभिनेत्री माही श्रीवास्तव का जलवा खूब देखने को मिल रहा है। यह गीत 'वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी' के आधिकारिक चैनल पर जारी किया गया है। जारी होते ही गीत को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और सामाजिक माध्यमों पर भी उनके नृत्य-कौशल की चर्चा शुरू हो गई है। निर्माता रत्नाकर कुमार ने इस गीत को लेकर कहा कि यह गाना विशुद्ध मनोरंजन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। माही श्रीवास्तव ने जिस अंदाज और ऊर्जा के साथ प्रस्तुति दी है, वह इसकी मुख्य खासियत है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम हमेशा दर्शकों के लिए नए और मनोरंजक गीत-संगीत पेश करने का प्रयास करती है और उम्मीद है कि इसे भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिलेगा। गीत में माही श्रीवास्तव अपने खास अंदाज और समदार नृत्य शैली में नजर आ रही हैं। इस गीत को पुराने दौर के कलात्मक दृश्य-विधान (रेट्रो लुक) में चित्रित किया गया है, लेकिन इसमें आज के दौर के नृत्य और संगीत के रुझान का भी पूरा ध्यान रखा गया है। माही के आकर्षक नृत्य चरण और भाव-भंगिमाएं गीत को खास बना रही हैं।

स्कनी में रचाया इटालियन गायक और अमेरिकी अभिनेत्री ने विवाह

हॉलीवुड

इतालवी संगीत समूह 'मनेस्कन' के मुख्य गायक डामियानो डेविड और अमेरिकी अभिनेत्री-गायिका डब कैमरन इटली के खूबसूरत टस्कनी क्षेत्र स्थित मोन्ताल्सिनो शहर के नगर भवन (टाउन हॉल) में एक भव्य समारोह के दौरान विवाह बंधन में बंध गए हैं। पारंपरिक शादी के परिधानों की जगह जोड़े ने आधुनिक और शैलीबद्ध फैशन का चुनाव किया, जहाँ डब कैमरन जॉर्जियो अरमानी द्वारा अभिकल्पित सफेद परिधान-प्रेरित दुल्हन के वेश में नजर आईं, जिसमें एक ओढ़नीदार जैकेट और कमरबंद शामिल था, जबकि डामियानो डेविड हल्के सफेद दोहरे सीने वाले कोट-पैट (सूट) में बेहद आकर्षक लपन रहे थे। विवाह संपन्न होने के बाद यह जोड़ा एक पुरानी सफेद खुली कार में सवार होकर अपनी नई पारी की शुरुआत के लिए रवाना हुआ। दोनों के रिश्ते की शुरुआत 2022 के एमटीवी वीडियो संगीत पुरस्कार समारोह के दौरान मंच के पीछे हुई पहली मुलाकात से हुई थी, जिसके बाद सितंबर 2023 में संगीत समूह के एक मंच प्रदर्शन (कॉन्सर्ट) के दौरान उनके करीब आने की खबरें सामने आईं।

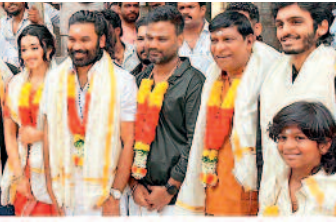


धनुष की नई फिल्म का श्रीगणेश, मंदिर की पूजा में उमड़ा प्रशंसकों का सैलाब

दॉलीवुड

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मशहूर अभिनेता धनुष ने शिवगंगा जिले के मरनाडू करुण्यनसामी मंदिर में अपनी आगामी फिल्म 'डी56' की पूजा में हिस्सा लिया। उनके साथ फिल्म के अन्य कलाकार भी मौजूद थे।

इस आगामी फिल्म में धनुष मुख्य भूमिका में हैं। इसका निर्देशन तमिलरासन पंचामुथु कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले 'लबर पांडु' का निर्देशन किया था। पूजा-अर्चना के साथ ही अभिनेता ने फिल्म का चित्रांकन (शूटिंग) शुरू कर दिया है। जब अभिनेता पूजा के लिए मरनाडू करुण्यनसामी मंदिर पहुंचे तो वहां मौजूद अपार भीड़ ने उन्हें घेर लिया। आज ही निर्माताओं ने फिल्म का प्रथम दृश्य (पोस्टर) जारी किया है। पोस्टर में एक द्वार दिख रहा है, जिस पर बहुत सारी घंटियाँ लगी हैं। द्वार के बीचों-बीच एक खिड़की है, जिसमें सलाखों के पीछे से संभवतः धनुष झांक रहे हैं। इस प्रथम दृश्य पोस्टर में वह पुजारी जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं। धनुष को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में दो सम्मान मिले। अभिनेता, निर्माता और निर्देशक के रूप में उन्हें दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस समारोह में पुरस्कार प्रदान किए, जो पहली बार नई दिल्ली से बाहर आयोजित किया गया था।



ऊपरी होंठ के बाल हटाने के बाद त्वचा की देखभाल जरूरी

चेहरे के अनचाहे बाल किसी को अच्छे नहीं लगते हैं। अक्सर इन बालों को हटाने के लिए हम मोम (वैक्स) या धागे (थ्रेडिंग) का सहारा लेते हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा ऊपरी होंठ के बाल परेशान करते हैं। ऐसे में इन्हें समय-समय पर हटाना जरूरी होता है। चूंकि चेहरे का यह हिस्सा काफी संवेदनशील होता है, इसलिए बाल हटाने के बाद त्वचा की सही देखभाल करना बेहद जरूरी है। अगर त्वचा की सही तरह से देखभाल नहीं की जाती है तो वहां लाल दाने, जलन या लाली (रेडनेस) की समस्या हो सकती है।

त्वचा को साफ करें

बाल हटाने के बाद उस स्थान को साफ करना जरूरी होता है। इससे त्वचा पर लगे मोम के अवशेष आसानी से साफ हो जाते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि किसी भी कठोर क्लींजर का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे त्वचा में तेज जलन हो सकती है।

टंडी सिकाई का लें सहारा

बाल हटाने के बाद अक्सर त्वचा में लाली या हल्की जलन महसूस होती है। इसे दूर करने के लिए टंडी सिकाई करें। इसके लिए एक साफ कपड़ा लेकर उसे ठंडे पानी से गीला करें और प्रभावित जगह पर लगाएं। आप फ्रिज में रखा हुआ ठंडा जेल मास्क भी इस्तेमाल कर सकती हैं।



त्वचा को नमी दें

सफाई के बाद उस जगह पर नमी प्रदान करने वाला लेप (मॉइश्चराइजर) लगाना जरूरी है। ध्यान रखें कि वह रसायन या मधुसार (अल्कोहल) मुक्त हो, वरना जलन हो सकती है। इससे त्वचा में नमी बनी रहती है।

प्रसाधनों (मेकअप) से बचें

बाल हटाने के तुरंत बाद प्रसाधनों का प्रयोग न करें। कम से कम 24 घंटे तक उस हिस्से पर किसी भी तरह का सौंदर्य प्रसाधन लगाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह त्वचा के छिद्रों को बंद कर सकता है और जलन बढ़ा सकता है।